गोपाल कृष्ण अग्रवाल

सशक्त समाज के लिए स्वच्छ राजनीति

सदस्य
राष्ट्रीय कार्यकारिणी
भारतीय जनता पार्टी

बहुआयामी व्यक्तित्व

- ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष
  डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास
- ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष
  भारत नीति प्रतिष्ठान
- अध्यक्ष
  श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा
- अध्यक्ष
  जलाधिकार
- मुख्य संरक्षक
  दुग्धाहार ग्रामोत्थान विकास समिति,
  गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र
- पूर्व अध्यक्ष
  श्री जी गौसदन, नोएडा
- ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष
  सूर्या संस्थान
- पूर्व अध्यक्ष
  भारत विकास परिषद, नोएडा
- उपाध्यक्ष
  अक्षरम्
- Vice President
  Human Rights Defense India
- Founder
  Nagrik Manch, Gautambuddh Nagar (U.P.)
- Director (National Board)
  Association of National Exchanges
  Members of India
- Member (Mng. Committee) &
  Vice Chairman (Water Resource Committee)
  PHD Chamber of Commerce
- Past President
  Commodity Participants Association of India
- Past President
  Depositary Participants Association of India
- Managing Director
  Vogue Commercial Co. Ltd.

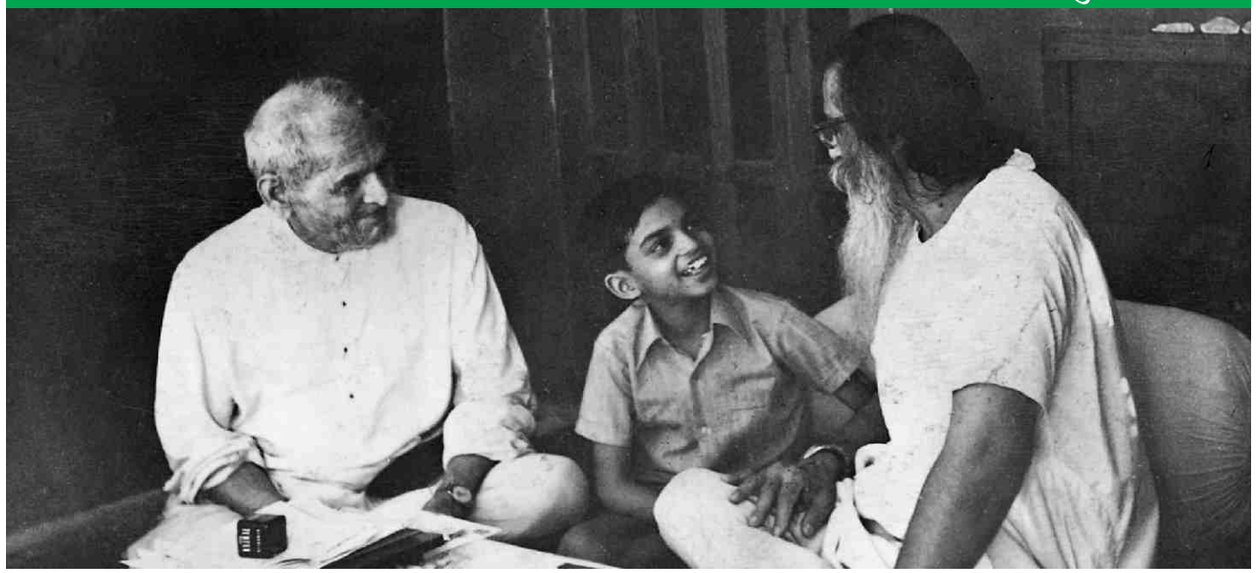

नेतृत्व की तीन विधाओं में पारंगत हैं गोपाल कृष्ण अग्रवाल

बालक को ध्यान से देखने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि गोपाल कृष्ण अग्रवाल, परम पूजनीय गुरुजी से सब कुछ जानने और समझने के लिए लालायित है। अपने पिता डा. सीताराम अग्रवाल की सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण घर पर प्राय: राष्ट्रवादी नेताओं, समाजसेवियों एवं संतों का आना-जाना लगा रहता था। इन सबके सान्निध्य में ही बालक गोपाल ने देश, धर्म, समाज, राजनीति को जानने और समझने का सिलसिला प्रारंभ किया।

मात्र 13 साल की उम्र में आठवीं कक्षा के विद्यार्थी बालक गोपाल अग्रवाल ने अपनी राष्ट्रवादी सोच और प्रतिबद्धता का बेजोड़ नमूना पेश किया। इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के खिलाफ आपने सत्याग्रह किया, जिसके बदले सरकार ने 19 नवंबर, 1975 को अन्य सत्याग्रहियों के साथ आपको डिफेंस ऑफ इंडिया रूल के तहत जेल भेज दिया। जेल में कई और राष्ट्रवादी नेताओं तथा समाजसेवियों से मुलाकात हुई जिसके चलते देश और समाज के प्रति आपका जुड़ाव और गहरा हो गया। तीन महीने का समय जेल में बिताने के बाद सरकार ने आपको छोड़ा लेकिन कई वर्षों तक केस चलता रहा। बाहर आने के बाद भी आपातकाल विरोधी कार्यक्रमों में भाग लेने का सिलसिला जारी रहा।

सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के बावजूद गोपाल जी ने अपनी शिक्षा पर भी पूरा ध्यान दिया। चाहे पढ़ाई-लिखाई हो या खेलकूद प्रतियोगिता या फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम, गोपाल अग्रवाल ने सबमें बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुरस्कृत हुए। स्कूल की पढ़ाई के बाद हंसराज कालेज से बी. काम आनर्स किया और

22 वर्ष की उम्र में : विश्व हिन्दू परिषद द्वारा आयोजित न्यूयार्क कान्फ्रेंस में भारत के प्रतिनिधि के रूप में

फिर चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। औपचारिक शिक्षा पूरी होने के बाद आपकी सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रियता और बढ़ गई। 1984 में भारत के प्रतिनिधि के रूप में विश्व हिंदू परिषद द्वारा न्यूयार्क में आयोजित विश्व हिंदू कान्फ्रेंस में आपको आमंत्रित किया गया। ऐसे ही काठमांडू में 1987 में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में भी आपकी ओर से सशक्त भागीदारी की गई।

आज के सामाजिक-राजनैतिक परिवेश में एक नागरिक मुख्यतया तीन प्रकार से अपना योगदान दे सकता है। ये हैं- वैचारिक, रचनात्मक एवं आंदोलनात्मक। श्री गोपाल अग्रवाल ने इन तीनों क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

वैचारिक नेतृत्व

पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट और एक सफल उद्यमी होने के नाते आर्थिक विषयों पर आपकी अच्छी पकड़ है। वित्तीय बाजार से जुड़ी कई राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट, भारतीय वित्त सलाहकार समिति, एसोसिएट चैंबर आफ कामर्स (एसोचैम), पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एवं एसोसिएशन आफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मेम्बर्स (एएनएमआई) आदि का आपने नेतृत्व किया है एवं मार्गदर्शन दिया है। इन संस्थाओं के विभिन्न कार्यक्रमों में आयोजक और वक्ता की भूमिका निभाने के साथ-साथ आपने अध्यक्ष के रूप में भी अपना योगदान दिया है।

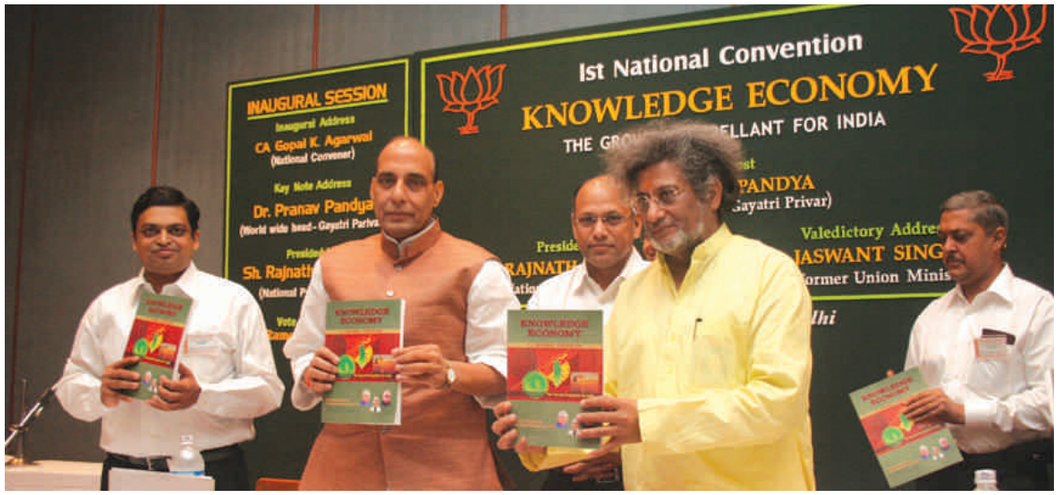

नॉलेज इकोनामी पर दस्तावेज का विमोचन : बाएं से सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, राजनाथ सिंह एवं डॉ. प्रणव पंड्या

बजट परिचर्चा : बाएं से सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, अरुण जेटली एवं पी.एन. विजय

प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रशिक्षण : केन्द्रीय कार्यालय भाजपा

बजट पर भाजपा का रुख समझाते हुए : केन्द्रीय कार्यालय

स्टाक एक्सचेंज सदस्यों के एसोसिएशन द्वारा एसोचैम में आयोजित सेमीनार

सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, यशवंत सिन्हा एवं अन्य : चीन का विकास मॉडल

चार्टर्ड एकाउन्टेंट इंस्टीट्यूट द्वारा डायमंड जुबली कार्यक्रम में बोलते हुए : मुख्य अतिथि स्वामी रामदेवजी, अशोक होटल

डायरेक्ट टैक्स कोड पर चंडीगढ़ में पी.एच.डी. चैम्बर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता

अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय सेमिनार में बोलते हुए...

एसोचैम में आर्थिक विषय पर बोलते हुए...

गोपाल जी द्वारा सहलिखित भ्रष्टाचार विरोधी बिल पर चर्चा : अरविन्द केजरीवाल, गोपाल अग्रवाल, डॉ. राकेश सिन्हा, किरण वेदी

विकल्प विशेषांक का विमोचन : सर्वश्री नन्दकिशोर गर्ग, प्रभात झा, नितिन गडकरी, आडवाणी जी, सोनी जी, गोपाल अग्रवाल

राष्ट्रवाद, सुशासन, विकास विशेषांक का विमोचन : सर्वश्री एन.के. गर्ग, वेंकैया नायडु, आडवाणी जी, रामलाल जी, गोपाल अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी के चार्टर्ड एकाउंटेंट प्रकोष्ठ (सीए सेल), केन्द्रीय आर्थिक एवं बौद्धिक प्रकोष्ठ जैसे कई मंचों के संयोजक के रूप में आपने देश की आर्थिक नीतियों से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किए हैं। एकोनामिक डेवलपमेंट-रोड मैप अहेड, नालेज एकोनामी, डेवलपमेंट वर्सेज डिस्प्लेसमेंट, प्रीवेन्शन आफ ब्राइबरी इन प्राइवेट/एनजीओ सेक्टर बिल, विदेशों में जमा काले धन को लाने की प्रक्रिया जैसे विषयों पर आपके तैयार किए हुए दस्तावेजों को बौद्धिक समाज एवं पार्टी नेतृत्व ने विशेष रूप से सराहा है।

आर्थिक विषयों के अलाव आपने डा. मुखर्जी स्मृति न्यास और भारत नीति प्रतिष्ठान के माध्यम से भी कई सामाजिक-राजनैतिक विषयों पर अपना योगदान दिया है। कई प्रतिष्ठित अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख निरंतर आते रहते हैं। देश-विदेश में आयोजित कई कान्फ्रेंस और सेमिनारों में भी आपने अपने विचार प्रभावी रूप से रखे हैं। देश और समाज के बारे में विवेकपूर्ण निर्णय लेने की योग्यता गोपाल जी में स्पष्ट दिखाई देती है।

रचनात्मक नेतृत्व

एक उद्यमी व्यक्ति में यदि देश और समाज के प्रति प्रबल निष्ठा हो तो उसका लाभ समाज को अवश्य मिलता है। पिता डॉ. सीताराम अग्रवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से जुड़े हुए एक समाजसेवी चिकित्सक थे। परिवार के सामाजिक परिवेश के कारण आपकी सफल उद्यमशीलता का लाभ देश और समाज को भी मिला। भारत विकास परिषद, सुर्या संस्थान, संकल्प, अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद जैसी अनेक संस्थाओं ने आपके सहयोग से रचनात्मक कार्यों को नए आयाम दिए। गोपाल जी के नेतृत्व में, समाज के सहयोग से, नोएडा में स्थापित श्रीजी गौसदन, गौसेवा की एक अनूठी मिसाल है। अक्षरम्, श्री सनातन धर्म रामलीला समिति एवं नागरिक मंच जैसी कई साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएं दिल्ली एवं नोएडा क्षेत्र में आपके संरक्षण में महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

गौशाला निरीक्षण, श्री जी गौसदन : सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनोज मित्तल

कुरुक्षेत्र में विश्व बंधुत्व एवं गीता पर आयोजित कार्यक्रम में संरक्षक के रूप में...

दशहरा उत्सव : श्रीमती विमला बाथम, संजय बाली, गोपाल अग्रवाल (अध्यक्ष), किरण बेदी, ट्रिनिडाड उच्चायुक्त

सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, दादा मुखर्जी, प्रकाश सिंह, शहीद मोहन शर्मा के पिता, माता एवं पत्नी

भारत विकास परिषद् नोएडा के तत्वावधान में स्वामी रामदेव के योग विज्ञान शिविर का संयोजन एवं संचालन

संयोजन एवं संचालन-नगर राज बिल : गोपाल अग्रवाल साथ में अरविन्द केजरीवाल, जस्टिस लाहोटी, नवाब सिंह नागर

चिन्मय मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम : गोपाल अग्रवाल बोलते हुए, दाएं से कर्नल पुरी, डॉ. जितेन्द्र, स्वामी चिद्रूपानन्द, डॉ. जे.पी. गुप्ता...

गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में : गौवंश के प्रति जागरूकता हेतु नोएडा में प्रभात फेरी

समाज में आध्यात्मिक चेतना का विस्तार हो इसके लिए आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर जी, भारत स्वाभिमान के स्वामी रामदेव जी, गायत्री परिवार के डॉ. प्रणव पाण्डया जी, परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानन्द जी एवं चिन्मय मिशन के प्रमुख संतों के माध्यम से आपकी इस क्षेत्र में भी सक्रियता बनी हुई है। सन्त समाज का आप पर असीम प्रेम एवं आशीर्वाद सदा बना रहता है। समाज अपनी शक्ति पहचाने और नवनिर्माण के लिए उठ खड़ा हो यह गोपाल जी का मूल उद्देश्य है।

आंदोलनात्मक नेतृत्व

आपातकाल के दौरान 19 नवंबर, 1975 को इंदिरा गांधी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में जब तत्कालीन राष्ट्रपति श्री फखरुद्दीन अली अहमद मंच पर बोलने के लिए खड़े हुए तो एक स्कूल विद्यार्थी उनके खिलाफ नारे लगाते हुए मंच पर चढ़ गया और उनसे माईक छीन लिया। आपात्काल का विरोध करने वाला यह स्कूल विद्यार्थी गोपाल अग्रवाल ही थे। जो भी गलत हो रहा है, उसका विरोध करना इनका स्वभाव है। समय के साथ यह स्वभाव और प्रखर होता गया। पानी के निजीकरण, भूमि अधिग्रहण, बलात्कार की बढ़ती घटनाएं, भ्रष्टाचार के विरोध में कानूनी पहल, विदेशों में जमा कालेधन की वापसी आदि कई मुद्दों पर गोपाल जी ने राजनीतिक एवं सामाजिक आंदोलनों का संचालन किया है।

अभी कुछ समय से देश के पटल पर भ्रष्टाचार का मुद्दा जोर-शोर से छाया हुआ है। इसकी भूमिका तैयार करने में गोपाल जी का महत्वपूर्ण योगदान है। 14 नवंबर, 2010 को जंतर-मंतर पर जब सर्वश्री बाबा रामदेव, अरविंद केजरीवाल, किरण बेदी एवं अन्ना हजारे जैसे लोग एक साथ पहली बार एक मंच पर आए तो उस कार्यक्रम का संचालन गोपाल जी ने ही किया था। इसके बाद 1 दिसंबर, 2010 को श्रीश्री रविशंकर जी के नेतृत्व में आंदोलन की ओर से एक पत्र प्रधानमंत्री को भेजा गया जिसमें पहली बार जन लोकपाल की मांग की गई। इस पत्र पर श्रीश्री रविशंकर, अन्ना हजारे, किरण बेदी, अरविंद केजरीवाल, गोपाल अग्रवाल सहित 15 लोगों ने हस्ताक्षर किए थे।

2011 में सरकार की ओर से राष्ट्रीय जलनीति, 2012 का प्रारूप चर्चा के लिए जारी किया गया। इसमें पानी के निजीकरण एवं व्यवसायीकरण की बात की गई थी। गोपाल जी एवं कैलाश जी ने इससे जुड़े खतरे को समझा और इस संबंध में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने का निश्चय किया। इनके प्रयास से जल पर काम कर रहे कई सामाजिक कार्यकर्ता एक साथ आए और 'जलाधिकार आंदोलन' की गोपाल जी की अध्यक्षता में मुहिम प्रारंभ हुई। आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए 'जल उपवास', 'जल अदालत', 'जल गीत', नुक्कड़ नाटक एवं पदयात्रा जैसे कई जनोन्मुखी कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को जल के मुद्दे से परिचित कराने के लिए कई स्कूलों में चित्र कला एवं स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

जंतर मंतर पर भ्रष्टाचार विरोधी धरना : सर्वश्री अन्ना हजारे, स्वामी अग्निवेश, देवेन्द्र शर्मा, गोपाल अग्रवाल (मंच संचालन)

संबोधन : भ्रष्टाचार विरोधी धरना, जंतर मंतर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्

14 नवम्बर 2010 : जंतर मंतर पर अरविन्द केजरीवाल, स्वामी रामदेव। संचालन : गोपाल अग्रवाल

भ्रष्टाचार के विरोध में प्रबुद्ध वर्ग की पदयात्रा का नेतृत्व

नोएडा में रजिस्ट्रार आफिस में भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रदर्शन

सूरजपुर कलेक्ट्रेट पर किसानों के समर्थन में प्रदर्शन

नोएडा में भ्रष्टाचार विरोधी पदयात्रा का नेतृत्व

भूमि अधिग्रहण बिल पर भाजपा की नीति को किसानों के बीच स्पष्ट करते हुए (ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण)

बलात्कार की घटनाओं के विरुद्ध नोएडा डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ऑफिस पर धरना

जलाधिकार कार्यक्रम, नोएडा : सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, संतोष तनेजा, मोतीलाल जी, स्वामी निखिलानन्द जी, दयाप्रकाश सिन्हा, नरेश शांडिल्य, कैलाश गोदुका, विद्यार्थी एवं सहकर्मी

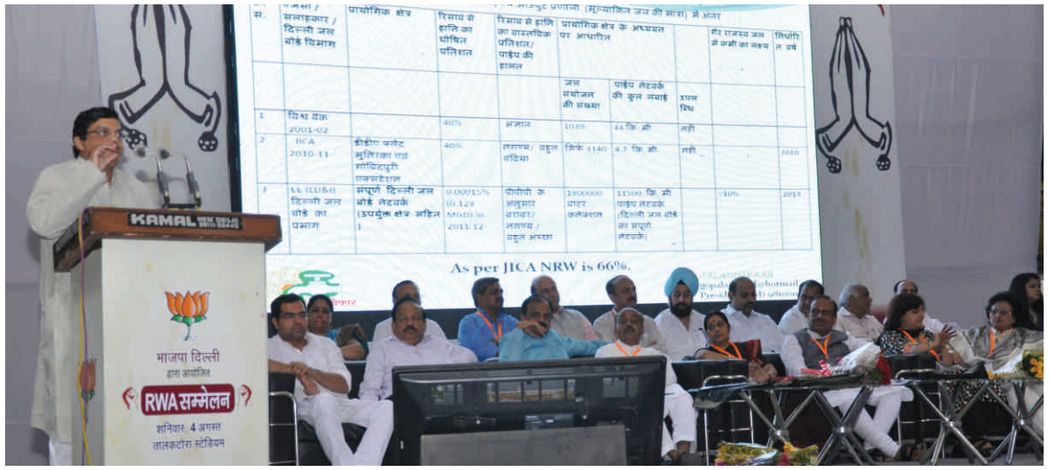

तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में आर.डब्ल्यू.ए. सम्मेलन - जल के निजीकरण पर भाषण : गोपाल अग्रवाल; साथ में सर्वश्री परवेश वर्मा, डॉ. हर्षवर्धन, विजय गोयल, श्रीमती सुषमा स्वराज, विजेन्द्र गुप्ता, वाणी त्रिपाठी, आरती मेहरा एवं अन्य

सर्वश्री प्रवीणकान्त, मो. निजाम, गोपाल अग्रवाल, स्वामी चिद्रूपानन्द, आशीष सरकार, अवधेष उपाध्याय एवं जलाधिकार के कार्यकर्ता

जंतर मंतर पर जलाधिकार द्वारा आयोजित जल उपवास में अध्यक्षीय भाषण

मलाला के समर्थन में पाकिस्तान उच्चायोग पर प्रदर्शन

बंगलादेश उच्चायोग पर बौद्ध मंदिरों को
ध्वस्त करने के विरुद्ध प्रदर्शन

श्रीलंका उच्चायोग पर तमिल लोगों की
नृशंस हत्या के विरोध में प्रदर्शन

कश्मीरी पंडितों की समस्या पर विचार रखते हुए : कांस्टीट्यूशन क्लब

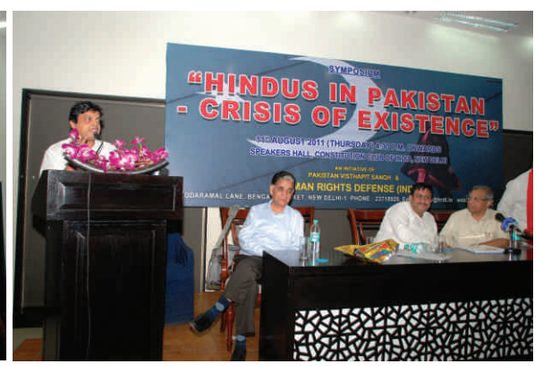

पाकिस्तानी हिन्दुओं के उत्पीड़न का मुखर विरोध

मजनू के टीले पर पाकिस्तान से आये हुए शरणार्थी हिन्दुओं के लिए शिविर का आयोजन :
श्री श्री रविशंकर जी को शरणार्थियों की समस्याओं से रूबरू करवाते हुए गोपाल अग्रवाल

मानवाधिकार आज की दुनिया में एक ज्वलंत विषय है। सभी सरकारें इसे लेकर सचेत रहती हैं। कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस विषय पर कड़ी नजर रखती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से जब बात अपने देश के लोगों की, विशेषत: हिन्दुओं के मानवाधिकार हनन की आती है तो अधिकतर संस्थाओं की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। गोपाल जी ने इस बात को समझा और श्री राजेश गोगना के नेतृत्व में 'ह्यूमन राइट्स डिफेंस इंडिया' संस्था के काम को आगे बढ़ाया। भारत में विस्थापित हिंदुओं, जैसे कश्मीरी पंडितों, श्री लंका में तमिलों, पाकिस्तान में हिंदुओं और बांग्लादेश में बौद्धों के साथ जो अमानवीय व्यवहार हो रहा है, इस संस्था ने उसके खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई है। संबंधित दूतावासों पर संस्था की ओर से प्रदर्शन किए गए एवं ज्ञापन दिए गये। पाकिस्तान से आये शरणार्थियों के लिए शिविर का अयोजन किया। इसी तरह भूटान से लाखों हिंदुओं को विस्थापित करने का मुद्दा भी इसी संस्था ने उठाया। तसलीमा नसरीन का वीज़ा हो या केरल के पॉल जोसफ के हाथ काटने की बात हो, गल्फ में कार्यरत भारतीय नागरिकों की समस्या हो या देश में महिलाओं पर अत्याचार के 'विच हंटिंग' जैसे मामले हों, इन सभी विषयों पर सामाजिक चेतना जगाने का काम एचआरडीआई सतत रूप से कर रही है। विदेशों में भारतीय मूल के निवासियों की समस्याओं पर भी संगठन की ओर से अब तक तीन अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किये जा चुके हैं।

विधायी और प्रशासनिक नेतृत्व की तैयारी हो

देश में ऐसे बहुत सारे लोग हैं जिन्होंने आजीवन पैसा कमाने में समय बिताया और जब उनके पास सब कुछ आ गया तो वे राजनीति करने के लिए मंच ढूंढने निकल पड़े। ऐसे लोगों के लिए राजनीति प्रतिष्ठा और शानो-शौकत का एक जरिया है। लेकिन गोपाल जी की सामाजिक एवं राजनीतिक सक्रियता बाल्यकाल से प्रारम्भ होती हुई युवावस्था से लेकर आज तक जारी है। उनकी प्राथमिकता में देश और समाज हमेशा आगे रहे हैं।

वैचारिक, रचनात्मक और आंदोलनात्मक क्षेत्रों में अपना नेतृत्व कौशल प्रदर्शित करने के बाद अब जरूरत है कि वे विधायी और प्रशासनिक नेतृत्व में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करें। इसके लिए भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनावी राजनीति में उतरना आवश्यक है। गोपाल जी भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से संबंधित हैं। वे कई वर्षों से अनेक पदों पर कार्य करते हुए अब पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। पिछले कई महीनों से गोपाल जी गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के ग्रामीण इलाकों में घूम रहे हैं। उन्होंने देखा कि यहां के किसानों की जमीनें अधिग्रहित की जा रही हैं। जिसके कारण उनके लिए खेती का विकल्प कम होता जा रहा है। ऐसे में उनके लिए वैकल्पिक रोजगार के क्या साधन हो सकते हैं, गोपाल जी इस दिशा में काम कर रहे हैं। यहां के किसानों की आय का कुछ स्रोत गन्ना उत्पादन और मुख्य स्रोत पशुपालन है, लेकिन असंगठित होने कारण उन्हें अपने उत्पाद का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। गोपाल जी के आकलन में इस समस्या का निदान सहकारिता के द्वारा हो सकता है। उनके प्रयास से दुग्धाहार ग्रामोत्थान विकास समिति के माध्यम से इस इलाके में ग्राम विकास समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों के द्वारा दूध उत्पादकों को संगठित किया जा रहा है ताकि उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके और उपभोक्ताओं को सही मूल्य पर शुद्ध दूध प्राप्त हो सके। इस प्रक्रिया में दूध वितरण प्रणाली के द्वारा युवाओं को रोजगार भी प्राप्त हो सकेगा। गोपाल जी की मूल भावना है कि संसाधनों के स्थानीय उपयोग के द्वारा ही अपने क्षेत्र का विकास हो सकता है। विकास की अवधारणा में संसाधनों का केन्द्रीकरण देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक है।

गौतम बुद्ध नगर क्षेत्र में आपका निवास 1990 से है और इस क्षेत्र में आपका काफी काम है। इनके सभी कार्यों को देखते हुए यह बहुत स्वाभाविक है कि वे यहां की जनता का प्रतिनिधित्व करें। इसके लिए लोग उन्हें हर प्रकार से समर्थन देने को तैयार हैं।

निवेदक

चन्द्रशेखर गर्घे
दुग्धाहार ग्रामोत्थान
विकास समिति

डॉ. जे.पी. गुप्ता
आर्ट ऑफ लिविंग

प्रवीण कान्त
भारतीय वित्त
सलाहकार समिति

राजेश गोगना
ह्यूमन राइट्स डिफेंस इंडिया

कैलाश गोदुका
जलाधिकार

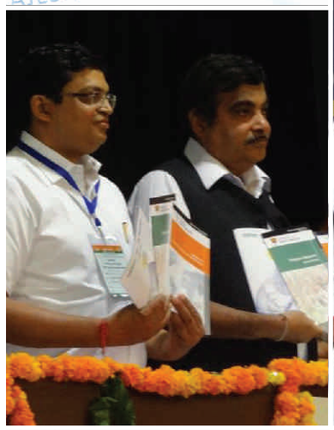

छोटों को सिखाया

www.nagrikmanch.com
www.facebook.com/gopal.agarwal

email : gopalagarwal@hotmail.com
Phone : 8800094408, 0120-4918900